Jain Dharm Vaidik Dharm Ki Sanskrutik Ekta Ek Sinhavlokan

Folder No.	006297
Granth Name	Jain Dharm Vaidik Dharm Ki Sanskrutik Ekta Ek Sinhavlokan
Author	Subhadramuni
Publisher	University Publication
Edition	1
Year	2008
Pages	510

जैन धर्म वैदिक धर्म की सांस्कृतिक एकता एक सिंहावलोकन

फोल्डर नं.	००६२९७
ग्रन्थ	जैन धर्म वैदिक धर्म की सांस्कृतिक एकता एक सिंहावलोकन
लेखक	सुधर्ममुनि
प्रकाशक	युनिवर्सिटी पब्लिकेशन
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००८
पृष्ठ	५१०

मुख्य टाइटल
पुरोवाक्
अनुक्रम
प्रथम खण्ड-पृष्ठभूमि और परम्परा
संस्कृति क्या है ---------- १
धर्म क्या है ---------- २
दोनों धर्मों संस्कृतियों का मौलिक स्वरूप ---------- ३
दोनो परम्पराओं की प्राचीनता ---------- ४
हिन्दू संस्कृति यानी भारतीय संस्कृति ---------- ८
हिन्दू कौन ---------- ९
दोनों ही सनातन धर्म ---------- ११
भारतीय संस्कृति की समन्वयप्रियता ---------- ११
समन्वय में जैन अनेकान्तवाद की भूमिका ---------- १२
दोनो संस्कृतियों में परस्पर समन्वय की पृष्ठभूमि ---------- १४
परस्पर बहुमान व उदार दृष्टिकोण ---------- १५
स्वतन्त्र विचारों की दार्शनिक अभिव्यक्ति ---------- १८
सार्वजनीन आस्था के विचार बिन्दू ---------- २४
जैन तीर्थंकर और अवतार ---------- ५३
गृहस्थ चर्या और भिक्षु चर्या ---------- ५६
पर्व व त्यौहार ---------- ६६
मांगलिक द्रव्य और धार्मिक प्रतीक ---------- ७२
प्रमुख संस्कार धार्मिक क्रियाएँ ---------- ८०
आराधना व बहुमान के पात्र देव-देवियाँ ---------- ९०
दोनों परम्पराओं के कथानोकं में साम्य ---------- ११३

दोनों परम्पराओं में सैद्धान्तिक समन्वय ---------- ११५
परस्पर समन्वय के पुरोधा मनीषी ---------- ११६
निष्कर्ष ---------- १२३
द्वितीय खण्ड-जैन एवं वैदिक कथाओं में एकता का स्वर
दया धर्म का मूल है ---------- १२५
अहिंसा परमोधऱ्म ---------- १३४
क्षमा का उत्कृष्ट आदर्श ---------- १५२
प्रेम है अमृत ---------- १६६
श्रद्धा का चमत्कार ---------- १७८
गुरु का गौरव ---------- १८८
सत्संग की महिमा ---------- १९३
भक्ति की शक्ति ---------- २११
पतित से पावन ---------- २२१
कर्म फल टारे न टरै ---------- २३४
भोग दुर्गति की राह---------- २४२
मोह विजय ---------- २५१
युवावस्था और वैराग्य ---------- २७३
देह को नहीं आत्मा को देखो ---------- २९१
प्रायश्चित्त ---------- ३०७
आदर्श भ्रातृ-प्रेम ---------- ३२४
वामन और विराट् ---------- ३४०
प्रकाश पुञ्ज दीबपावली ---------- ३६०
तृतीय खण्ड-सिद्धान्त समन्वय---------- ३६७
धर्म ---------- ३६७
ब्रह्मचर्य ---------- ३८०
भोजन ---------- ३९४
जीवन ---------- ४०२
समबाव ---------- ४१७
जाति ---------- ४२९
संगति सत्संगति ---------- ४४१
ज्ञान अज्ञान ---------- ४५४
विनय ---------- ४६४
मृत्यु ---------- ४७३
परमात्मा ---------- ३७८